

वीसीडी 894, बैंगलोर वार्तालाप – 2 (कर्ना.), ता – 15.3.08
VCD No.894, Discussion at Bangalore-2 (Karnataka), dated 15.3.08

समय – 8.15

जिज्ञासू – बाबा, जो पतित से पावन होते हैं वो ही बाप को बार-बार बुलाते हैं। भक्ति में और ज्ञान में दोनों में।

बाबा – जो पतित से पावन बनते हैं वो पतित-पावन सीता-राम को बुलाते भी हैं।

जिज्ञासू – ज्ञान में और भक्ति में भी दोनों में। और ये भी बोला है कि जो जन्म-जन्मांतर बाप से दूर हैं वो बाप को बुलाते हैं बार-बार। जो जन्म-जन्मांतर नजदीक हैं वो एक बार देखें तो भी वो अच्छी रीति से याद करेंगे बताया। माना दोनों में अंतर क्या है बाबा?

Time: 8.15

Student: Baba, only those who transform from sinful ones to pure ones call the Father again and again, both in *bhakti* (devotion) and in knowledge.

Baba: Those who transform from sinful ones to pure ones call the purifier of the sinful ones, i.e. Sita-Ram.

Student: Both in knowledge and in *bhakti*. And it has also been said that those who have been distant from the Father for many births call the Father again and again. Those who have been close for many births remember nicely even if they see (Baba) once. Baba, what is the difference between both?

बाबा – जो जन्म-जन्मांतर के नजदीक रहने वाले हैं। संगमयुग में आकरके वो पहली बार बाप से मिलते हैं। तो उनको एक बार का देखा हुआ पक्का याद आवेगा या नहीं आवेगा? भले दुबारा-तिबारा देखें या न देखें। याद आवेगा। और पूर्व जन्मों में जिन्होंने बहुत कम संग लिया है, दूर रहे हैं। लेकिन बाप को इस जन्म में आके देख लिया नजदीक आ गए। तो उनकी बुद्धि बाहर भागेगी या बाप में भागेगी? पूर्व जन्मों के अनुसार कोई वैष्या है। इस जन्म में आकरके ब्राह्मणी बन गई। तो ब्राह्मणी बनने के बावजूद भी वो माया बेटी कि बुद्धि बाहर की दुनियाँ में भागेगी, बाहर की दुनियाँ वालों के साथ रहेगी या बाप के साथ ज्यादा रहेगी? बाहर की दुनियाँ वालों के साथ ज्यादा रहेगी। फिर भी आकरके वैष्या बन जावेगी।

Baba: When those who have been living close (to the father) for many births come and meet the father for the first time in the Confluence Age (*sangamyug*), will they remember firmly after having seen once or not? Whether they see for the second or third time or they don't, they will remember (the father). And those who have been in the company (of the father) to a very less extent or have remained distant from him, but they came and saw the father in this birth, came close to him; so, will their intellect run outside or towards the father? Suppose someone was a prostitute in her past births. She came and became *Brahmani* (female Brahmin) in this birth. So, in spite of becoming *Brahmani*, will the intellect of that daughter – *Maya* -- run towards the outside world, will it hang around the people of the outside world or will it remain more with the father? It will remain more with the people of the outside world. Even so she will come (in knowledge) and become a prostitute.

जिज्ञासू – माना वो ज्यादा संग का रंग लेना चाहते हैं बताया, जो जन्म-जन्मांतर दूर हैं। वो ही बार-बार बाप को बुलाते हैं, देखना चाहते हैं। संग का रंग लेना चाहते हैं।

बाबा – जो जन्म-जन्मांतर दूर रहे हैं वो देखना चाहते हैं?

जिज्ञासू – संग को रंग लेना चाहते हैं।

बाबा – अगर दूर रहे हैं लगातार तो उन्होंने बाप को बुलाया कहाँ? पूर्व जन्मों में भी तो बुलाया होता। पूर्व जन्मों में भी तो नजदीक पहुंचे होते। जिनको यहाँ बुलाने की बार-बार इच्छा होती है। तो इससे साबित क्या होता है? पूर्व जन्म में भी वो नजदीक रहे हैं। यहाँ संकल्पों का क्रम चलता है। और वहाँ स्थूल क्रम चलता है। यहाँ संकल्पों से जो नजदीक हैं। वहाँ स्थूल में भी वो नजदीक रहे होंगे।

Student: I mean, it was said that they want to take more colour of the company (of the Father), [that is] those who have been distant for many births. Only they call the Father again and again and want to see him, want to take the colour of His company.

Baba: Do those who have been distant for many births want to see (the Father)?

Student: They wish to take the colour of His company.

Baba: If they have been distant continuously, then did they call the father? Those who desire to call him here again and again would have called in the previous births as well, they would have reached close (to the father) in the past births as well. So, what does it prove? They have been close in the past births as well. A series of thoughts goes on here. And a series (of) physical (events) goes on there. Those who are close (to the father) in their thoughts here would have also remained close physically there.

जिज्ञासू – माना ये बोला है कि जो एन.एस में जो है अष्टदेव हैं।

बाबा – अरे! एन.एस में तो सब तरह के हैं। जो किसी घर का फाउन्डेशन डाला जाता है। तो फाउन्डेशन में नीचे पत्थर डाले जाते हैं। छोटे, बड़े, मजबूत, कच्चे, पक्के। तो जब दुरमुट से कुटाई होती है, धुनाई होती है तो कुछ इधर खिसक जाते हैं, कुछ उधर खिसक जाते हैं। कुछ गहराई में चले जाते हैं। कुछ इतने मजबूत होते हैं। कि ऊपर ही बने रहते हैं, टूटते भी नहीं हैं। तो फाउन्डेशन में तो सब तरह के हैं। ऐसे नहीं कि उसमें राजाएँ ही है सब, नहीं। प्रजावर्ग के भी हैं। दास-दासी बनने वाले भी हैं। चाण्डाल बनने वाले भी हैं। वो तो फाउन्डेशन है।

Student: I mean it has been said that those who are in NS, they are the eight deities (*Ashta dev*)

Baba: Arey! As far as NS is concerned, there are all kinds (of souls) there. When a foundation is laid for a house, stones are laid below in the foundation; small, big, strong, weak, firm ones. So, when they are beaten with a rammer (to press them) some stones scatter here and some there. Some go deeper. Some are so strong that they remain above; they do not even break. So, there are indeed all kinds (of souls) in the foundation. It is not that all are only kings in it. No. There are souls belonging to the subject category as well as there are souls which are going to become servants and maids. There are also those who are going to become *chaandaal* (cremators). That is indeed a foundation.

जिज्ञासू – माना प्रश्न ये है कि जो एन.एस में जो है। वो बाप को बार-बार देखना नहीं चाहते या संग का रंग लेना नहीं चाहते और सदैव सेवा में भी लगे रहते हैं।
 बाबा – हाँ वो तो है। अगर किसी के बुद्धि में बैठ जाए सेवा से ही फायदा है। क्या? सेवा से फायदा है और कंधे पर चढ़े रहने में फायदा नहीं है। तो अच्छी बात है या खराब बात है? अच्छी बात है। अरे! दुनियाँ में भी कहते हैं कि माँ-बाप को काम प्यारा है या चाम प्यारा है? चाम माना चमड़ी। (सबने कहा- काम प्यारा है।) कोई बच्चा देखने में बहुत खूबसरत हो, सुन्दर हो। और काम कुछ न करे, घर में ही पड़ा रहे और ही तंग दुखी परेशान करता रहे। वो ज्यादा प्यारा लगेगा और या (कोई बच्चा) कुरूप पैदा हुआ है। और सारा दिन दुकान सम्भालता है और अच्छे तरीके से सम्भालता है। वो ज्यादा प्यारा लगेगा? (सबने कहा- वो प्यारा लगेगा।) ऐसे ही यहाँ भी है। बाप को सर्विसएबुल बच्चे प्यारे हैं।

Student: I mean, the question is, those who live in NS do not want to see the Father again and again or do not want to take the colour of His company and also remain busy in service always.

Baba: Yes, that is true. If it fits into someone's intellect that he/she can reap benefits only through service; what? There is benefit in doing service and there is no benefit in climbing on the shoulders (of the Father), then is it good or bad? It is good. Arey, even in the world, people ask: do the parents like the work (of their children) or do they like (them based on) the (colour of the) skin (*chaam*)? *Chaam* means skin. (Everyone said – they love the work.) If a child is very beautiful in appearance, is handsome but does not do any work, just sits at home, keeps troubling, giving sorrow and creating nuisance all the more. Will he be liked more (by the parents) or a child who is born ugly but takes care of the shop throughout the day and takes care of it nicely; will he be liked more (by his parents)? It is a similar case here too. The Father likes the serviceable children.

जिज्ञासू – माना सर्विसएबुल बच्चे बाप को बार-बार देखना नहीं चाहते क्या? संग का रंग नहीं लेना चाहते क्या?

बाबा – सर्विसएबुल बच्चे तो अव्यक्त स्टेज में स्थित हो जाएंगे जल्दी। बाप उनको याद करे बच्चे याद करे या ना करे वो तो हमेशा सामने ही रहेगा। जिसका काम करेंगे वो सामने नहीं रहेगा? रहेगा। और असली पूछा जाए तो मिनीमधुबन में सब जितने भी हैं। चाहे अन्डरग्राउण्ड, चाहे सरेन्डरर्ड हो, चाहे नॉन सरेन्डरर्ड है। वो बार-बार उनकी इच्छा होती है बाबा को देखें, बाबा की मुरली सुनें, बाबा के नजदीक रहें। क्या? बाबा से दृष्टि लें। इच्छा होती है कि नहीं? होती है। लेकिन उनको ये कोई बात नहीं है कभी वो ये उलाहना नहीं देते हैं। कि हमको दृष्टि क्यों नहीं आकरके देत, सबको दृष्टि देते हैं। हमको डाईरेक्ट मुरली आकर क्यों नहीं सुनात, सबको सुनाते हैं। हमारे नजदीक आकरके क्यों नहीं रहते ज्यादा दिन, और मिनीमधुबनों में क्यों चक्कर काटते रहते हैं। तो इसे अपूर्ण स्टेज की ओर कहें या सम्पन्नता स्टेज के नजदीक कहें?

Student: Does it mean that serviceable children do not want to see the Father again and again? Don't they want to take the colour of the company?

Baba: Serviceable children will become constant in the *avyakt* stage soon. Father remembers them; whether (such serviceable) children remember (the Father) or not, He will always be in

front of them. Will the one, for whom they are working, not be in front of them? He will remain. And if you ask in a real sense, all those who are in the *minimadhubans*, whether they are underground, whether they are surrendered or non-surrendered, they desire again and again to see Baba, to listen to Baba's *Murli*, to live close to Baba. What? (They wish to) take *drishti* from Baba. Do they desire or not? They do. But it is not an issue for them (i.e. those living at NS). They never complain: why don't you (Baba) come and give *drishti* to us when you give *drishti* to everyone, why don't you come and narrate *Murli* to us directly when you narrate it to everyone, why don't you come and live close to us for more number of days and why do you keep visiting other *Minimadhubans*? So, can we call this a stage 'towards an incomplete stage' or a stage closer to perfection?

जिज्ञासू – बाबा ने बताया है ना बाबा कि दृष्टि से विकर्म विनाश नहीं होते।
बाबा— अंदर कि दृष्टि से हमेशा याद रहे वो ज्यादा अच्छा या इन आँखों से दृष्टि
लेता रहे वो ज्यादा अच्छा?

Student: Baba has said that sins are not destroyed through his *drishti*.

Baba: Is it better if we remember Him through the inner *drishti* (vision) or is it better if we keep taking *drishti* through these (physical) eyes?

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.